B.A. 5th Semester (General) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : GE-I

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

Instruction

निर्देशावली

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-A** and **Group-B** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्ना: समाधातव्या:।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-A

Indian Social Institution and Polity

1. অধোলিখিতেষু *দশ* প্রশ্নানামুত্তরং প্রদেয়ম্। তেষু *দ্বয়ো:* সংস্কৃতভাষয়া উত্তরমবশ্যমেব চয়নীয়ম্। তত্র 'ক' বিভাগত: প্রশ্নত্রয়ম্, 'খ' বিভাগত: প্রশ্নত্রয়ম্ অবশ্যমেব চয়নীয়ম্। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। যার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে। এখানে 'ক' বিভাগ থেকে *তিনটি* ও 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর নিয়ে সর্বমোট দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

'ক'-বিভাগ

'ক'-বিভাগ

(a) 'मनुसंहिता' कीदृशं शास्त्रम्? ग्रन्थस्यास्य प्रसिद्धटीकाकारद्वयस्य नाम लिख्यताम्।
'মনুসংহিতা' কোন শ্রেণীর শাস্ত্র? এই গ্রন্থের দুজন প্রসিদ্ধ টীকাকারের নাম লেখো।

(b) मनुसंहितायां कति अध्याया: सन्ति? तेषु सप्तमाध्यायस्य नाम किम्?
মনুসংহিতায় কটি অধ্যায় আছে? তাদের মধ্যে সপ্তমাধ্যায়ের নাম কী?

(c) 'सर्वतेजोमयो हि स:' - इत्यत्र 'स:' क:? कथं 'स:' सर्वतेजोमय इत्युच्यते?
'সর্বতেজোময়ো হি স:' - এখানে 'স:' কে? 'স:' কেন সর্বতেজোময়রূপে উক্ত হয়?

Scanned by SelfScan

(d) নৃপস্য ক্রোধ: কথম্ অগ্নেরপি ভয়ঙ্কর:?
রাজার ক্রোধকে অগ্নি অপেক্ষা ভয়ঙ্কর বলা হয় কেন?

(e) দণ্ড: কেন কথং সৃষ্ট:?
দণ্ড কার দ্বারা এবং কেন সৃষ্ট হয়েছে?

(f) ঈশ্বর: কেন উপাদানেন নৃপং সৃষ্টবান্?
ঈশ্বর কোন উপাদানের দ্বারা রাজাকে সৃষ্টি করেন?

(g) উপায়চতুষ্টয়েষু কৌ উপায়ৌ কথং প্রশংসনীয়ৌ?
চারটি উপায়ের মধ্যে কোন দুটি উপায় কেন প্রশংসনীয়?

(h) 'তদা সন্ধিং সমাশ্রয়েত্' - ইত্যত্র ক: কদা সন্ধিং সমাশ্রয়েত্?
'তদা সন্ধিং সমাশ্রয়েত্' - এখানে কে কখন সন্ধিকে আশ্রয় করবেন?

'ख'-विभाग
'খ'-বিভাগ

(a) কৌটিলীয়ার্থশাস্ত্রে কতি অধিকরণানি সন্তি? তেষু প্রথমাধিকরণস্য নাম কিম্?
কৌটিল্যের অর্থশাস্ত্রের কতগুলি অধিকরণ আছে? ঐ অধিকরণগুলির মধ্যে প্রথমাধিকরণের নাম কী?

(b) দূত: কতিবিধ: ভবতি? দূতপ্রকারস্য নাম লিখ্যতাম্।
দূত কত প্রকারের হয়? দূতের প্রকারগুলির নাম লেখো।

(c) পররাজ্যে দূত: কৈশ্চ প্রতিসংসর্গং গচ্ছেত্?
শত্রুরাজ্যে দূত কাদের সঙ্গে বন্ধুত্বস্থাপন করবেন?

(d) তাপসবৈদেহকব্যঞ্জনাভ্যাং দূত: কিম্ অবগম্যেত?
তাপস ও বণিক বেশধারী গুপ্তচরের নিকট থেকে দূত কী অবগত হবেন?

(e) অধোলিখিতপদদ্বয়স্য অর্থ: উল্লেখনীয়:
উপজাপ:, অনীকস্থানম্
নিম্নলিখিত দুটি পদের অর্থ লেখো -
উপজাপ:, অনীকস্থানম্

(f) 'তং ব্রূয়াত্ - দূতমুখা বৈ রাজান:, ...' ইত্যত্র ক: কং ব্রূয়াত্?
'তং ব্রূয়াত্ - দূতমুখা বৈ রাজান:, ...' এখানে কে বলবে? কাকে বলবে?

Scanned by SelfScan

(g) पराधिष्ठितस्य दूतस्य एकशयनस्य कारणं किम्?
শত্রুরাজ্যে অধিষ্ঠিত দূতের একাকী শয়নের কারণ কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु च *द्वितयं* सुरगिरा लिख्यताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) सरलसुरगिरा व्याख्यायताम्: 5
সরল সংস্কৃতভাষায় ব্যাখ্যা করো ঃ

बालोऽपि नावमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः।
महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति।।

Or,

यथोद्धरति निर्दाता कक्षं धान्यञ्च रक्षति।
तथा रक्षेन्नृपो राष्ट्रं हन्याच्च परिपन्थिनः।।

(b) संक्षिप्ता टीका कार्या: 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ

साम, यानम्

(c) मातृभाषया अनुवादो विधेयः : 5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

तपत्यादित्यवच्चैष चक्षूंषि च मनांसि च।
न चैनं भुवि शक्नोति कश्चिदव्यभिवीक्षितुम्।।

(d) संक्षिप्ता टीका कार्या: 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ

पार्ष्णिग्राहः, कृत्यपक्षः

(e) मातृभाषायामनुवाद विधेयः : 5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

पराधिष्ठानमनुज्ञातः प्रविशेत्। शासनं च यथोक्तं ब्रूयात् प्राणाबाधेऽपि दृष्टे। परस्य वाचि वक्त्रे दृष्टयां च प्रसादं वाक्यपूजनमिष्टपरिप्रश्नं गुणकथासङ्गमासन्नमासनं सत्कारमिष्टेषु स्मरणं विश्वासगमनं च लक्षयेत्तुष्टस्य, विपरीतमतुष्टस्य।

Scanned by SelfScan

(f) उपायचतुष्टयं किम्? राष्ट्राभिवृद्धये कथं वा एतेषां प्रयोगः करणीयः राज्ञा? 1+4=5
উপায়চতুষ্টয় কী? রাষ্ট্রের উন্নতির জন্য কেন রাজা এই উপায় চারটির প্রয়োগ করবেন?

3. अधोनिर्दिष्टात् विभागद्वयात् *एकैकमेव* प्रश्नमाकल्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত দুটি বিভাগ থেকে *একটি* প্রশ্ন নিয়ে মোট *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

'क'-विभाग
'ক'-বিভাগ

(a) मनुसंहितायाः सप्तमाध्यायानुसारेण राज्ञः दैवी उत्पत्तिः इति विषयमवलम्ब्य एकः निबन्धः रचनीयः। 10
মনুসংহিতার সপ্তম অধ্যায় অনুসরণে রাজার দৈবী উৎপত্তি বিষয়ে নিবন্ধ রচনা করো।

(b) 'षाड्गुण्यं' किम्? कदा कथं वा राजा एतेषां प्रयोगं कुर्यात् तत् मनुमतानुसारमालोच्यताम्। 2+8=10
'ষাড্গুণ্যং' কী? রাজা কখন এবং কেন এই গুণগুলির প্রয়োগ করবেন তা মনুমতের অনুসরণে আলোচনা করো।

'ख'-विभाग
'খ'-বিভাগ

(a) अर्थशास्त्रानुसारं दूतस्य व्यवहारकार्यक्रमौ वैशद्येन आलोच्यताम्। 10
অর্থশাস্ত্র অনুসারে দূতের ব্যবহার ও কার্যক্রম সবিস্তারে আলোচনা করো।

(b) (i) 'कार्यस्य सिद्धावुपरुध्यमानस्तर्कयेत्' – अर्थशास्त्रानुसारं वाक्यांशोऽयमालोच्यताम्।
'কার্যস্য সিদ্ধাবুপরুধ্যমানস্তর্কয়েত্' – অর্থশাস্ত্রের অনুসরণে বাক্যাংশটি আলোচনা করো।

(ii) 'परस्यैतद्वाक्यमेष दूतधर्मः' – व्याख्यायताम्। 5+5=10
'পরস্যৈতদ্বাক্যমেষ দূতধর্মঃ' - ব্যাখ্যা করো।

Group-B
Political Thought in Sanskrit

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र प्रतिविभागात् प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव चयनीयम्। तेषु *द्वयोः* प्रश्नयोः उत्तरं संस्कृत भाषया अवश्यमेव लेखनीयम्। 2×10=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্ততঃ *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে। যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

'क'-विभाग
'ক'-বিভাগ

(a) अर्थशास्त्रस्य कस्याश्चन एकस्याः टीकायाः नाम लिख्यताम्। को वा अस्याः टीकायाः प्रणेता?
অর্থশাস্ত্রের যে কোনো একটি টীকার নাম লেখো। এই টীকাটির প্রণেতা কে?

Scanned by SelfScan

(b) अर्थशास्त्रानुसारं मन्त्रोद्देशः कीदृशः भवेत्?
অর্থশাস্ত্রানুসারে মন্ত্রণার স্থান কীরূপ হওয়া উচিত?

(c) राजा कदा कार्यारम्भान् चिन्तयेत्?
রাজা কখন কার্যের আরম্ভ বিবেচনা করবেন?

(d) 'तस्मादिमं द्वयक्षं सहस्राक्षमाहुः' – व्याख्यायताम्।
'তস্মাদিমং দ্বয়ক্ষং সহস্রাক্ষমাহুঃ' - ব্যাখ্যা করো।

(e) कौटिल्यानुसारं राजा कति मन्त्रिभिः सह मन्त्रयेत्?
কৌটিল্যের মতানুসারে রাজার কতজন মন্ত্রীর সাথে মন্ত্রণা করা উচিত?

(f) मन्त्रभेदस्य परिणामः कः?
মন্ত্রণা প্রকাশের পরিণাম কী?

(g) किं नाम आत्ययिकं कार्यम्?
'আত্যয়িকং কার্যম্' বলতে কী বোঝায়?

(h) इङ्गिताकारयोः संज्ञा प्रदेया।
ইঙ্গিত ও আকারের সংজ্ঞা প্রদান করো।

'ख'-विभाग

'খ'-বিভাগ

(a) 'शासनाधिकारः' इति पाठ्यांशः अर्थशास्त्रस्य कस्य अधिकरणस्य कस्मिन् अध्याये वर्तते?
'শাসনাধিকারঃ' এই পাঠ্যাংশটি অর্থশাস্ত্রের কোন অধিকরণের কোন অধ্যায়ে বর্তমান?

(b) किं नाम शासनम्?
শাসন বলতে কী বোঝায়?

(c) साम कतिप्रकारकम्? प्रकाराणां च नामानि लेख्यानि।
সাম কত প্রকার? প্রকারগুলির নাম লেখো।

(d) को नाम सम्बन्धः?
সম্বন্ধ কাকে বলে?

(e) षाड्गुण्येषु कौ शासनमूलकौ?
ষাড়গুণ্যের মধ্যে কোন দুটি শাসনমূলক?

Scanned by SelfScan

(f) अर्थशास्त्रानुसारं पदानि कति प्रकाराणि? कानि च तानि?
अर्थशास्त्रानुसारे पद कत प्रकार एवं की की?

(g) को नाम भेद:?
भेद की?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु च *द्वितयं* सुरगिरा लिख्यताम्। 5×4=20
निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) संक्षिप्ता टीका कार्या : 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ
मन्त्रिपरिषत्, मन्त्रभेद:

(b) मातृभाषया अनुवादो विधेय: : 2½×2=5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

नास्य गुह्यं परे विद्यु: छिद्रं विद्यात् परस्य च।
गुहेत् कूर्म इवाङ्गानि यत्स्याद्विवृतमात्मन:।।
यथा ह्यश्रोत्रिय: श्राद्धं न सतां भोक्तुमर्हति।
एवमश्रुतशास्त्रार्थो न मन्त्रं श्रोतुमर्हति।।

(c) संक्षिप्त टीका लेखनीया : 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ
दण्ड:, लेखदोषा:

(d) मातृभाषायामनुवद : 5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

जातिं कुलं स्थानवय:श्रुतानि
कर्मर्द्धिशीलान्यथ देशकालौ।
यौनानुबन्धं च समीक्ष्य कार्ये
लेखं विदध्यात् पुरुषानुरूपम्।।

(e) अर्थशास्त्रानुसारं पञ्चाङ्गो मन्त्र: वर्णनीय:। 5
অর্থশাস্ত্রানুসারে পঞ্চাঙ্গ মন্ত্র বর্ণনা করো।

(f) शासनलेखकस्य के गुणा: आवश्यका:? 5
শাসনলেখকের কোন গুণগুলি থাকা আবশ্যক?

Scanned by SelfScan

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम् : 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) पूर्वसूरिणां मतानि खण्डयित्वा मन्त्रणाविषये कौटिल्येन कथं स्वमतं प्रतिष्ठितम्?
কৌটিল্য কীভাবে পূর্বসূরীদের মত খণ্ডন করে মন্ত্রণা সম্পর্কিত বিষয়ে তাঁর নিজমত প্রতিষ্ঠিত করেছেন?

(b) शासनस्य प्रकाराः आलोचनीयाः।
শাসন বা রাজলেখ কত প্রকারের হয় তা আলোচনা করো।

(c) 'एतेष्वर्थाः प्रवर्तन्ते त्रयोदशसु लेखजाः' - अर्थशास्त्रानुसारं वाक्यांशोऽयं व्याख्यायताम्।
'एतेष्वर्थाः प्रवर्तन्ते त्रयोदशसु लेखजाः' - অর্থশাস্ত্রানুসারে বাক্যাংশটি ব্যাখ্যা করো।

(d) शासनस्य गुणाः आलोच्यन्ताम्।
শাসন বা রাজলেখের গুণগুলি আলোচনা করো।

Scanned by SelfScan